Tender Heart High School, Sector - 33-B, Chandigarh.

कक्षा - दसवीं
विषय - हिन्दी व्याकरण शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
पुस्तक - सरस हिन्दी व्याकरण

अपठित गद्यांश

छात्रों अपठित गद्यांश को करने से पहले इसके बारे में जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है।

अपठित का अर्थ है 'जो पहले पढ़ा नहीं गया हो'। यह किसी पाठ्यक्रम की पुस्तक में से नहीं लिया जाता है। ऐसे गद्यांश प्रायः इतिहास, धर्म, राजनीति, साहित्य अर्थशास्त्र, खेलकूद, विज्ञान, पर्यावरण आदि विषयों से संबंधित होता हैं। इसके द्वारा विद्यार्थियों के भाव ग्रहण की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। इससे छात्रों का मानसिक व्यायाम होता है और उनका सामान्य ज्ञान भी बढ़ता है। इससे छात्रों की व्यक्तिगत योग्यता व अभिव्यक्ति की क्षमता बढ़ती है। गद्यांश से संबंधित कुछ प्रश्न पूछे जाते हैं। पूछे गए प्रश्न प्रायः अर्थ ग्रहण से सम्बन्धित होते हैं जिनके उत्तर विद्यार्थियों को अपने शब्दों में लिखने होते हैं।

अपठित गद्यांश को हल करने की विधि :-

* सबसे पहले विद्यार्थियों को दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक एकाग्रता व धैर्य से कम से कम दो-तीन बार अवश्य पढ़ना चाहिए।
* पूछे गए प्रश्नों के सम्भावित उत्तरों को रेखांकित करते जाना चाहिए।
* जहाँ तक संभव हो प्रश्न का उत्तर अपनी भाषा में लिखने का प्रयास करना चाहिए।

* प्रश्न में जितना पूछा जाए उतना ही उत्तर देना चाहिए। अनावश्यक विस्तार से बचना चाहिए।
* प्रश्नों के लिए निर्धारित अंकों के आधार पर उसके उत्तर की शब्द सीमा निर्धारित की जानी चाहिए।
* उत्तर हमेशा सरल, सुबोध तथा स्पष्ट भाषा में लिखने चाहिए।
* व्यावहारिक व्याकरण में पूछे गए प्रश्नों को गद्यांश के आधार पर ही लिखने का प्रयास करना चाहिए।
* समानार्थक शब्द जितने पूछे जाएँ उतने ही लिखने चाहिए तथा कोशिश करनी चाहिए कि हिन्दी शब्दों के समानार्थक के रूप में जो शब्द लिखा जाए वह हिन्दी का ही हो किसी दूसरी भाषा का नहीं। जैसे उन्नति के लिए प्रगति, उत्थान या अभ्युदय लिखा जाना चाहिए, तरक्की नहीं।
* व्यावहारिक व्याकरण में प्रश्नों के उत्तर बहुत सोच-विचार कर लिखने चाहिए, क्योंकि वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के कारण शब्द सही होने पर भी अंक काट लिए जाते हैं।
* जहाँ तक संभव हो, उत्तर में गद्यांश के ही शब्दों का प्रयोग करें लेकिन भाषा अपनी ही होनी चाहिए।
* यदि अपठित गद्यांश का शीर्षक लिखने को कहा जाए तो शीर्षक हमेशा छोटा, सारगर्भित तथा सटीक होना चाहिए।
* गद्यांश में प्रयुक्त उद्धरण चिह्न नहीं देने चाहिए।

विद्यार्थियों के लिए अपठित गद्यांश बहुत महत्त्वपूर्ण होता है क्योंकि इसमें अधिक अंक का हिस्सा समाहित होता है।

गृहकार्य :-
दसवीं कक्षा के छात्र अपनी व्याकरण की पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण IX-X में अध्याय-3 (पृष्ठ संख्या 198)

में दिए अभ्यास हेतु अपठित गद्यांश (1) शिवाजी अत्यंत उदार, दूरदर्शी ---------- सभासदों ने उनकी जय-जयकार की) को ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे एवं गद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर को अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।

निर्देश :-

* छात्र गद्यांश के प्रश्नोत्तर लिखने से पहले गद्यांश को ऊँचे स्वर में दो-तीन बार अवश्य पढ़ें।
* छात्र अपठित गद्यांश को हल करने की विधि अवश्य पढ़ें।
* छात्रों से भी अनुरोध है कि वे इस कार्य को पूर्ण करने में अपने बच्चों की सहायता करें।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]